भारत सरकार
स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय
स्वास्थ्य और परिवार कल्याण विभाग

लोक सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या: 1283
09 फरवरी, 2024 को पूछे जाने वाले प्रश्न का उत्तर

राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के कार्यान्वयन हेतु समय-सीमा

1283. इंजीनियर गुमान सिंह दामोर:

क्या **स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन किस तिथि को आरंभ किया गया था और इसके कार्यान्वयन हेतु निर्धारित समय -सीमा क्या है;

(ख) तत्संबंधी उद्देश्य और प्रमुख उपलब्धियां क्या हैं;

(ग) मातृ एवं शिशु मृत्यु दर क्या है और इसे कम करने के लिए क्या प्रयास किए जा रहे हैं; और

(घ) विगत पांच वर्षों के दौरान मातृ एवं शिशु मृत्यु दर में कितनी कमी आई है?

उत्तर

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण राज्य मंत्री (डॉ. भारती प्रविण पवार)

(क) से (घ) : विशेष रूप से ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य परिचर्या समस्याओं का समाधान करने के लिए, जन स्वास्थ्य सुविधाकेंद्रों तक पहुंच रखने वाले सभी लोगों को सुलभ, किफायती और गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य परिचर्या प्रदान करने के लिए राज्य/संघ राज्य क्षेत्रों की सरकारों के प्रयासों को पूरा करने के लिए वर्ष 2005 में राष्ट्रीय ग्रामीण स्वास्थ्य मिशन (एनआरएचएम) आरंभ किया गया था। वर्तमान में, एनआरएचएम राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (एनएचएम) का एक उप-मिशन है। एनयूएचएम को भी वर्ष 2013 में एनएचएम के एक उप-मिशन के रूप में शुरू किया गया था। राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों के मानदंडों के अनुसार नए सुविधाकेंद्र स्थापित करने और उनकी आवश्यकता के आधार पर अवसंरचना की कमी को पूरा करने के लिए मौजूदा सुविधाकेंद्रों के उन्नयन के लिए एनएचएम सहायता प्रदान करता है।

एनएचएम के प्रमुख उद्देश्य निम्नानुसार हैं:

(i) बाल एवं मातृ मृत्यु दर में कमी।

(ii) स्थानीय स्थानिकमारी रोगों सहित संचारी और गैर-संचारी रोगों की रोकथाम और नियंत्रण।

(iii) एकीकृत व्यापक प्राथमिक स्वास्थ्य परिचर्या तक पहुंच।

(iv) जनसंख्या स्थिरीकरण, स्त्री-पुरुष समानता और जनांकिकीय संतुलन।

(v) स्थानीय स्वास्थ्य परम्पराओं को पुनर्जीवित करना और आयुष को मुख्यधारा में लाना है।

(vi) खाद्य और पोषण, साफ-सफाई एवं स्वच्छता के लिए जन सेवाओं तक सार्वभौमिक पहुंच तथा महिलाओं एवं बच्चों के स्वास्थ्य तथा व्यापक रोग प्रतिरक्षण से संबंधित सेवाओं पर जोर देते हुए जन स्वास्थ्य परिचर्या सेवाओं तक सार्वभौमिक पहुंच।

(vii) स्वस्थ जीवन शैली को बढ़ावा देना।

एनआरएचएम वर्षों के अंतर्गत निर्धारित और प्राप्त लक्ष्यों का ब्यौरा नीचे सूचीबद्ध है।

लक्ष्य (वर्ष 2021-26 के लिए एनएचएम विस्तार के अनुसार)	**स्थिति**	
एमएमआर को घटाकर 87 प्रति 1 लाख पर लाना	97 प्रति 1 लाख जीवित जन्म (एसआरएस 2018-20)	113 प्रति 1 लाख जीवित जन्म (एसआरएस 2016-18)
आईएमआर को घटाकर 22 प्रति हजार पर लाना	28 प्रति हजार (एसआरएस 2020)	32 प्रति हजार (एसआरएस 2018)
राष्ट्रीय स्तर पर टीएफआर को 2.0 तक बनाए रखना	2.0 (एनएफएचएस 5)	2.2 (एनएफएचएस 4)
1.5 लाख आयुष्मान आरोग्य मंदिर (पूर्ववर्ती एबी-एचडब्ल्यूसी) के प्रचालन का लक्ष्य हासिल करना	1,64,478 (दिनांक 15.01.2024 तक की स्थिति के अनुसार)	80,348 (दिनांक 26.11.2021 तक की स्थिति के अनुसार)

राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के तहत विभिन्न कार्यक्रम और स्कीमें मातृ एवं शिशु मृत्यु दर को कम करने के लिए राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों द्वारा सुरक्षित मातृत्व आश्वासन (सुमन), जननी सुरक्षा योजना (जेएसवाई), जननी शिशु सुरक्षा कार्यक्रम (जेएसएसके), प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान (पीएमएसएमए) विस्तारित प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान (ईपीएमएसएमए), लक्ष्य, सुविधाकेंद्र आधारित नवजात परिचर्या,

समुदाय आधारित नवजात और छोटे बच्चों संबंधी परिचर्या , मातृ पूर्ण स्नेह (मां), सामाजिक जागरूकता और निमोनिया को सफलतापूर्वक निष्प्रभावी करने के लिए कार्रवाई (एसएएएनएस), गहन डायरिया नियंत्रण पखवाड़ा (आईडीसीएफ), सार्वभौमिक टीकाकरण कार्यक्रम (यूआईपी), राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम (आरबीएसके), पोषण पुनर्वास केंद्र (एनआरसी), एनीमिया मुक्त भारत (एएमबी) और क्षमता निर्माण को कार्यान्वित किया गया है

******